(e) if so, what are the details thereof and if not, what are the reasons for ignoring such places of tourism importance?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K JAFFER SHARIEF): (a) Yes, Sir.

(to) and (c) Keeping in view the passengers' demand, 2nd A.C. Sleeper Coach will be provided during 1995-96.

(d) There is no proposal at present.

(e) Due to operational and re-Source constraints.

Staff Cadre of Zonal Computer Centre of Railways

559. SHRI GAYA SINGH:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Zonal Computer Centres of Indian Railways have extended their own staff cadres;

(b) whether the Divisional Com puter Centres of the Railways have been kept out of the purview of Zonal Centres; if so, the realms therefor; and

(c) whether the Divisional Com puter Centres would also toe included in the staff cadres of Zonal Com puter Centres for the advancement of career of the staff employed therein?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) Yes, Sir.

(to) Yes, Sir. Taking into account the availability of 'User-ifriendly' Software, and the decision to develop 'on-line' operation, it was found that only a small nucleus of staff would be required for the Divisional Computer Centres and it will not be viable to have a cadre for them.

(c) No, Sir.

माल डिब्बों और सवारी डिब्बों के निर्माण में लगी फैक्टरियां

560. श्री अनन्तराम जायसवाल :
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में वर्तमान में रेलवे माल और सवारी डिब्बों के निर्माण में निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में लगे कारखानों की संख्या कितनी है और उनमें कितनी इकाइयां कार्यरत हैं और प्रत्येक इकाई की उत्पादन क्षमता क्या है ;

(ख) क्या रेलवे की मांग के अनुसार माल और सवारी डिब्बों की आपूर्ति नियमित रूप से की जा रही है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि रेलवे माल और सवारी डिब्बा उद्योग भारी संकट के दौर से गुजर रहा है और हालांकि जबकि रेल मंत्रालय को और अधिक माल और सवारी डिब्बों की आवश्यकता है जिस पर भी सरकार इस उद्योग के प्रति लापरवाही दिखा रही है; और

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और क्या सरकार रेलवे "माल और सवारी डिब्बा उद्योग" में संकट को दूर करने और माल और सवारी डिब्बों के निर्माण के लिए पुनः आर्डर देने पर विचार कर रही है ?

रेल मंत्री (श्री सी. के. जाफ़र शरीफ़) : (क) सरकारी और निजी क्षेत्र में माल डिब्बा निर्माण के कार्य में नियमित रूप से लगे यूनिटों की संख्या 11 है । सवारी डिब्बों के निर्माण में 2 यूनिटें लगी हैं और यह दोनों सरकारी क्षेत्र में है । इसमें रेलवे की अपनी निर्माण क्षमता शामिल नहीं है । फिलहाल सभी यूनिट कार्य कर रहे हैं । एक विवरण संलग्न है (नीचे देखिए) जिसमें उनकी अनुज्ञप्त क्षमता दिखाई गई है ।

(ख) जी, हां वर्ष 1994-95 में माल डिब्बा निर्माण यूनिटों द्वारा 10800 माल डिब्बे, चौपइया के हिसाब से, की सुपुर्दगी की आशा है।

सार्वजनिक क्षेत्र की 2 सवारी डिब्बा निर्माण यूनिटों द्वारा 36 ई.एम.यू. यूनिट की सुपुर्दगी किए जाने की आशा है।

(ग) और (घ) माल डिब्बा और सवारी डिब्बों का आदेश आवश्यकताओं पर निर्भर करता है और उनमें कमोबेशी हो सकती है। पूरी आवश्यकता का आदेश दिया जाता है। अतः सरकार द्वारा कोई लापरवाही नहीं दिखायी जाती।

विवरण

माल डिब्बों और सवारी डिब्बों के निर्माण में लगे कारखानें

माल डिब्बा निर्माण यूनिट		वार्षिक निर्माण क्षमता (चौपइयों के हिसाब से)
सरकारी क्षेत्र की इकाइयां :		
1. मैसर्स भारत वैगन इंजीनियरिंग लिमिटेड/मुजफ्फरपुर		2000
2. मैसर्स भारत वैगन इंजीनियरिंग लिमिटेड/मोकामा		2000
3. मैसर्स ब्रेथविट/कलकत्ता		3000
4. मैसर्स बर्न स्टेंडर्ड कम्पनी लिमिटेड/बर्नपुर		3911
5. मैसर्स बर्न स्टेंडर्ड कम्पनी लिमिटेड/हावड़ा		4750
6. मैसर्स जैरस्प/कलकत्ता		3279
	कुल	18940
निजी क्षेत्र की इकाईयां :		
7. मैसर्स सिमको बिरला लिमिटेड/भरतपुर		3839
8. मैसर्स हिंदुस्तान जनरल इन्डस्ट्रीज/दिल्ली		2000
9. मैसर्स माडर्न इंडस्ट्रीज/साहिबाबाद		2000
10. मैसर्स टैक्सनेको/कलकत्ता		1800
11. मैसर्स हिंदुस्तान डेवलपमेंट कार्पोरेशन/कलकत्ता		4056
	कुल :	16695
	कुल जोड़	35635

सवारी डिब्बा निर्माण इकाइयां सरकारी क्षेत्र की इकाइयां :	वार्षिक क्षमता
1. मैसर्स जैस्सपस्	72 (डी.सी./ई.एम.यू. प्रतिवर्ष)
2. मैसर्स भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड	400 (सवारी डिब्बे प्रतिवर्ष)